VPM CLASSES

NTA UGC NET

SOCIOLOGY

SOLVED SAMPLE PAPER

(Hindi Medium)

* DETAILED SOLUTIONS
* NEW SYLLABUS
* NEW PATTERN

9001894070

www.vpmclasses.com

UGC NET **समाजशास्त्र** **FMTP**

समय–2 घण्टे **(प्रश्नपत्र II)** **अधिकतम अंक : 200**

नोट : इस प्रश्नपत्र में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। सारे प्रश्न करना अनिवार्य हैं।

1. ''व्यक्ति समाज द्वारा स्वीकृत साधनों का प्रयोग तो करता है, परन्तु असफल रहता है तथा इसी में सन्तुष्ट रहता है कि उसने उन साधनों का उपयोग तो किया।'' मर्टन के अनुसार उपर्युक्त कथन किस प्रकार का विचलन है ?

(1) नवाचार (2) संस्कारवाद

(3) प्रत्यावर्तनता (4) असन्तुलित

2. किसका विश्लेषण का केन्द्र रोजमर्रा का जीवन विश्व रहा है ?

(1) शूट्ज (2) बर्जर

(3) लकमैन (4) गारफिंकेल

3. किस पद्धति में अवलोकन के आधार पर तथ्यों को वर्गीकृत किया है ?

(1) अवलोकन पद्धति (2) अनुभवाश्रितता

(3) प्रलेखीय पद्धति (4) प्रयोगात्मक पद्धति

4. निम्न को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए –

सूची -I		**सूची -II**
(A)	ओस्वाल्ड स्पेंग्लर	(i) हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन मैरिज
(B)	पिट्रीम सोरोकिन	(ii) द डेल्काइन ऑफ द बेस्ट
(C)	वेस्टरमार्क	(iii) सोशल एण्ड कल्चर डायनामिक्स
(D)	डब्लू एफ ऑगबर्न	(iv) स्टडीज इन हिस्ट्री

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(iii) B-(ii) C-(iv) D-(i)

(2) A-(iv) B-(ii) C-(i) D-(iii)

(3) A-(ii) B-(iii) C-(i) D-(iv)

(4) A-(iii) B-(ii) C-(i) D-(iv)

VPM CLASSES

5. इरविन गॉफमेन की निम्नलिखित पुस्तकों को उनके कालक्रमानुसार व्यवस्थित क्रम में लिखिए–

1. Forms of Talk
2. Frame Analysis
3. Interaction Ritual
4. Gender Advertisement

(1) 4, 2, 3, 1
(2) 1, 2, 3, 4
(3) 3, 2, 4, 1
(4) 1, 3, 2, 4

6. **कथन -I :** प्रघटनाशास्त्र कोई विचारधारा न होकर अध्ययन की एक पद्धति है।

कथन -II : प्रघटनाशास्त्र समाजशास्त्र की पूर्व मान्यताओं के विरुद्ध वैषयिकता, चिन्तन एवं आलोचनात्मक मूल्यों को महत्व देता तथा स्वीकारता है।

(1) कथन I सत्य है।
(2) कथन II सत्य है।
(3) दोनों कथन सत्य है।
(4) दोनों कथन असत्य है।

7. सूची -I को सूची -II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही विकल्प चुनिए –

सूची -I		**सूची -II**	
(A)	वस्तुनिष्ठ समाजशास्त्र के पिता	(i)	धूरिये
(B)	व्याख्यात्मक समाजशास्त्र के पिता	(ii)	दुर्खीम
(C)	भारत का कॉम्टे	(iii)	आगॅस्ट कॉम्टे
(D)	मानवतावाद के धर्म का महान पुजारी	(iv)	वेबर
		(v)	पैरेटो

कूट : (A) (B) (C) (D)
(1) A-(ii) B-(iv) C-(i) D-(iii)
(2) A-(i) B-(ii) C-(iv) D-(iii)
(3) A-(iii) B-(iv) C-(i) D-(ii)
(4) A-(iv) B-(i) C-(iii) D-(ii)

VPM CLASSES

8. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों को उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए –

सूची -I (समाजशास्त्री)	**सूची -II (पत्रिकाएं)**
(A) आर के मुखर्जी	(i) Man of India
(B) योकांक एण्ड ड्यूमा	(ii) Eastern Anthrapologyy
(C) एस सी दूबे	(iii) Indian Journal of sociology
(D) एस सी रॉय	(iv) Contribution of sociology

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(ii) B-(iv) C-(iii) D-(i)

(2) A-(i) B-(iii) C-(iv) D-(ii)

(3) A-(ii) B-(iv) C-(iii) D-(i)

(4) A-(i) B-(iii) C-(iv) D-(ii)

9. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों को उनके कालाक्रमानुसार उचित क्रम में व्यवस्थित कीजिए –

1. कार्ल मार्क्स
2. इसमाइल दुर्खीम
3. हरबर्ट स्पेन्सर
4. विल्फेडा पैरेटो

कूट :

(1) 2, 3, 1, 4 (2) 4, 1, 2, 3

(3) 2, 3, 4, 1 (4) 1, 3, 4, 2

10. ''संस्कृति वह साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने शारीरिक तथा मानसिक और अन्तिम रूप से बौद्धिक अस्तित्व को बनाए रखने में सफल होता है।'' – उक्त कथन किसका है ?

(1) मर्टन (2) कोहन

(3) मैलिनोवस्की (4) पारसन्स

11. किस समाजशास्त्री ने मूल्य मतैक्य पर अधिक बल दिया है ?

(1) मर्टन (2) पारसन्स

(3) कोहन (4) ब्राउन

VPM CLASSES

12. सूची -I को सूची -II के साथ सुमेलित कीजिए

सूची -I (संकल्पना)	**सूची -II (लेखक)**
(A) प्रकार्यात्मक अनिवार्यता	(i) आर के मार्टन
(B) प्रकार्यात्मक परिणामों का शुद्ध सन्तुलन	(ii) बी मैलिनोवस्की
(C) सार्वभौमिक प्रकार्यात्मकता	(iii) ऑगस्ट कॉम्टे
(D) प्रत्यक्षवादी जैविकवाद	(iv) टी पारसन्स
	(v) रैडक्लिफ ब्राउन

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(iv) B-(i) C-(ii) D-(iii)

(2) A-(iv) B-(i) C-(iv) D-(iii)

(3) A-(ii) B-(iv) C-(v) D-(i)

(4) A-(iii) B-(v) C-(ii) D-(iv)

13. मार्क्स की The Economic and Philosophic Manuscripts नामक पुस्तक को किसने अपने अध्ययन का आधार बनाया है ?

(1) हैबरमास (2) अल्थ्यूजर

(3) फ्रायड (4) अलेक्जेंडर

14. **कथन I** : हेबरमास का मानना है कि आज का पूँजीवादी पूरी तरह से विरोधाभास से भरा पड़ा है और इसमें निहित ज्ञान भ्रष्ट ज्ञान है।

कथन II : हेबरमास ने अभिव्यक्तिशीलता और भाषा को अपने विश्लेषण का केन्द्रीय आधार माना है।

निष्कर्ष

(1) कथन I सत्य है। (2) कथन II सत्य है।

(3) दोनों कथन सत्य है। (4) दोनों कथन असत्य है।

15. सामाजिक परिवर्तन में आर्थिक निर्णयवाद की अवधारणा किस विचारक से जुड़ी है ?

(1) गुन्नार मिर्डल (2) कार्ल मार्क्स

VPM CLASSES

(3) एडम स्मिथ (4) मार्शल

16. अभिव्यक्ति का तार्किक सिद्धान्त किसने प्रस्तुत किया है ?

(1) अलेक्जेंडर (2) हेबरमास

(3) फ्रायड (4) अल्थ्यूजर

17. हेबरमास की निम्न पुस्तकों को काल क्रमानुसार बनाइए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए –

सूची -I	**सूची -II**
(A) लेजीटिमेशन क्राइसिस	(i) 1968
(B) नॉलेज एण्ड ह्यूमेन इन्टरेस्ट्स	(ii) 1963
(C) पोस्ट मेटाफिजिकल थिंकिंग	(iii) 1992
(D) थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस	(iv) 1973

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(ii) B-(iii) C-(i) D-(iv)

(2) A-(iv) B-(i) C-(iii) D-(ii)

(3) A-(i) B-(ii) C-(iii) D-(iv)

(4) A-(ii) B-(iv) C-(iii) D-(i)

18. **स्थापना (I) :** उत्तर आधुनिकता वैज्ञानिक ज्ञान का विरोधी है।

तर्क (II) : वैज्ञानिक ज्ञान मिथक की तरह सरकार को वैद्यता प्रदान करता है।

(1) कथन I सत्य है। (2) कथन II सत्य है।

(3) दोनों कथन सत्य है। (4) दोनों कथन असत्य है।

19. निम्नलिखित कृतियों को उनके काल क्रमानुसार व्यवस्थित कर उचित क्रम में रखिए –

1. Circumsfession
2. The Birth of Clinic
3. The Transformation of Intimacy
4. Reading Capital

(1) 3, 2, 4, 1 (2) 4, 2, 3, 1

VPM CLASSES

(3) 1, 2, 3, 4 (4) 2, 4, 3, 1

20. निम्न को सुमेलित कीजिए –

सूची -I		सूची -II	
(A)	एन्थनी गिडेन्स	(i)	संरचनावाद एवं उत्तर संरचनावाद
(B)	माइकल फोकाल्ट	(ii)	उत्तर संरचनावाद व उत्तर संरचनावाद
(C)	जेम्स डेरिडा	(iii)	संरचनाकरण
(D)	माइकल फोकाल्ट	(iv)	ज्ञान की शक्ति

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(iii) B-(i) C-(ii) D-(iv)

(2) A-(i) B-(iii) C-(iv) D-(ii)

(3) A-(iv) B-(i) C-(ii) D-(iii)

(4) A-(i) B-(iv) C-(iii) D-(ii)

21. निम्न में से कौनसा क्षेत्र सदानीरा नदियों को उद्‌गम क्षेत्र है ?

(1) उत्तर का पर्वतीय भाग (2) गंगा–सिन्धु का मैदान

(3) दक्षिण का पठार (4) समुद्र तटीय मैदान

22. भारत के धर्मानुसार जनसंख्या (जनसंख्या वर्ष 2001) को ध्यान से पढ़ें और कूट का प्रयोग कर सही कथन का चयन करें।

1. कुल आबादी में हिन्दू जनसंख्या 80.5% है तथा मुस्लिम जनसंख्या 13.4% है।

2. सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर वाला धर्म मुस्लिम (29.3%) है तथा न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि वाला धर्म सिख (16.9%) है।

3. सर्वाधिक साक्षरता दर जैनों की है जबकि न्यूनतम साक्षरता वाला धर्म मुस्लिम है।

4. सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला धर्म जैन धर्म तथा न्यूनतम महिला साक्षरता वाला धर्म मुस्लिम धर्म है।

(1) 1, 2 & 3 (2) 1, 3 & 4

(3) 1, 2, 3 & 4 (4) 3, 4 & 1

23. People of India में भारतीय समाज की कितनी जनजातियों की चर्चा की है ?

VPM CLASSES

(1) 300 (2) 427

(3) 525 (4) 205

24. 'हम की भावना' के आधार पर किसने समूह को दो भागों में बांटा है ?

(1) मैकाइवट (2) सेण्डरसन

(3) जॉर्ज हसन (4) समनट

25. निम्नलिखित नगरीय समुदाय की विशेषताओं को पढ़ें

1. सामाजिक विजातीयता 2. द्वितीयक समितियाँ

3. द्वितीयक नियन्त्रण 4. व्यक्तिवादिता

5. स्थानीय पृथक्करण

उपरोक्त में से कौन–से सत्य है ?

(1) 1 और 2 (2) 2, 3 और 5

(3) 1, 2, 3, 4 और 5 (4) 1, 4 और 5

26. **कथन (A) :** नगर ऐसा समुदाय है, जिसमें सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक विषमता पाई जाती है।

कारण (R) : यह कृत्रिमता, व्यक्तिवादिता, प्रतियोगिता एवं घनी जनसंख्या के कारण नियन्त्रण के औपचारिक साधनों द्वारा संगठित होता है।

(1) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है।

(2) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(3) A सही है, परन्तु R गलत है।

(4) A गलत है, परन्तु R सही है।

27. किस धर्म के अनुसार धार्मिक क्रियाओं की अपेक्षा शुद्ध आचरण, शुद्ध विचार, शुद्ध कर्म और शुद्ध भावना अधिक महत्वपूर्ण है ?

(1) हिन्दू धर्म (2) इस्लाम धर्म

(3) पारसी धर्म (4) बौद्ध धर्म

28. किस भाषा की लिपि गुरुमुखी है ?

(1) हिन्दी (2) बिहारी

VPM CLASSES

(3) पंजाबी (4) मराठी

29. सुमेलित कीजिए –

सूची -I (जनजाति)		**सूची -II (अर्थव्यवस्था)**
(A)	राजी	(i) आखेट एवं खाद्य संग्रह
(B)	बैगा	(ii) पशुचारण
(C)	टोडा	(iii) स्थानान्तरित कृषि
(D)	मुण्डा	(iv) स्थायी कृषि

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(ii) B-(iii) C-(i) D-(iv)

(2) A-(i) B-(iii) C-(ii) D-(iv)

(3) A-(i) B-(ii) C-(iii) D-(iv)

(4) A-(i) B-(ii) C-(iv) D-(iii)

30. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों पर विचार कीजिए –

1. प्रो. ए आर पिल्लै 2. लुइस ड्यूमा

3. जी एस घुरिये 4. श्रीनिवास

5. के एम कपाड़िया 6. एन के बोस

उपरोक्त कथनो में से किसने भारतीय समाज का अध्ययन भारत विद्यशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य से नही किया है ?

(1) 1, 2 और 3 (2) 3, 4 और 5

(3) 4 और 6 (4) 1, 4, 5 और 6

31. **कथन I** : सामाजिक परिवर्तन मात्र सामाजिक सम्बन्धों में होने वाला परिवर्तन है। जबकि सांस्कृतिक परिवर्तन धर्म, ज्ञान, विश्वास, कला, साहित्य, प्रथा कानून आदि सभी क्षेत्रों में होने वाला परिवर्तन है।

कथन II : सामाजिक परिवर्तन चेतन एवं अचेतन दोनों परिवर्तनों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है जबकि सांस्कृतिक परिवर्तन प्रायः सचेत प्रयत्नो से घटित होता है।

VPM CLASSES

निष्कर्ष :

(1) कथन । सत्य है। (2) कथन ।। सत्य है।

(3) दोनों कथन सत्य हैं। (4) दोनों कथन असत्य हैं।

32. ए. आर. देसाई की प्रमुख पुस्तकों को उनके कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए –

1. Slums and Urbanisation
2. Recent Treds in Indian Nationalism
3. Social Background of Indian Nationalism
4. Rural Sociology in India

कूट :

(1) 2, 3, 4, 1 (2) 3, 2, 4, 1

(3) 1, 2, 4, 3 (4) 3, 4, 1, 2

33. निम्न पुस्तकों को कालक्रमानुसार बनाइए –

1. Problems of Nationalism
2. Cannons of Orrisian Architecture
3. Tribal Life in India
4. Excavations in Mayurbang

कूट :

(1) 3, 4, 1 और 2 (2) 3, 1, 4 और 2

(3) 1, 3, 4 और 2 (4) 2, 1, 4 और 3

34. निम्नलिखित में से कौन 'एन्थ्रोपोलॉजिकल सोसायटी ऑफ बॉम्बे' के 1945-50 के दौरान अध्यक्ष रहे ?

(1) जी एस धुरिये (2) लुइस ड्यूमा

(3) एम एन श्रीनिवास (4) एम सी दूबे

35. 'भूमिज–हिन्दू अन्तर्क्रिया ' पर किस समाजशास्त्री द्वारा कार्य किया गया है ?

(1) दूबे (2) मुखर्जी

(3) सुरजीत सिन्हा (4) अम्बेडकर

VPM CLASSES

36. ''भारतीय बुद्ध महासभा'' की स्थापना कब की गई ?

(1) सन् 1928 (2) सन् 1942

(3) सन् 149 (4) सन् 1955

37. निम्नलिखित में से कौन निर्धनता हेतु सामाजिक कारण नहीं है ?

(1) सामाजिक कुप्रथाएँ (2) धर्म

(3) जाति व्यवस्था (4) कृषि का पिछड़ापन

38. **कथन (A) :** प्राजातीय पूर्वाग्रह वह अभिवृत्ति है जो एक प्रजातीय समूह का दूसरे प्रजातीय समूह के प्रति नकारात्मक स्वभाव का होना दर्शाती है।

कारण (R) : उसकी उत्पत्ति प्रजातीय उच्चक एवं हीनता की मनोग्रन्थि में अस्थापित विश्वासों में होती है।

(1) A और R दोनों सही है, तथा R, A की सही व्याख्या है।

(2) A और R दोनों सही है, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) A सही है, परन्तु R गलत है।

(4) A गलत है, परन्तु R सही है।

39. **कथन (A) :** नातेदार शब्द 'भूमिका शब्द' है।

कारण (R) : नातेदार शब्द जैविक और सामाजिक सम्बन्धों को समान रूप से अभिहित करते है।

(1) A और R दोनों सही है, तथा R, A की सही व्याख्या है।

(2) A और R दोनों सही है, परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) A सही है, परन्तु R गलत है।

(4) A गलत है, परन्तु R सही है।

40. 'इराक्विस जनजाति' का अध्ययन किस विद्वान द्वारा किया गया है ?

(1) मॉर्गन (2) मरडांक

(3) मजूमदार (4) दूबे

VPM CLASSES

41. लॉरेन्स स्टोन ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के अनुसार परिवार को कितने चरणों में गुजारा है ?

(1) 2 (2) 3

(3) 4 (4) 5

42. सूची -I को सूची -II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही विकल्प चुनिए –

सूची -I		**सूची -II**	
(A)	एकान्तिक नाभिक परिवार	(i)	मरडॉक
(B)	मातृ–पितृ स्थानीय परिवार	(ii)	लीप्ले
(C)	मूल परिवार	(iii)	पारसन्स
(D)	पितृसत्तात्मक परिवार	(iv)	मरडॉक

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(i) B-(ii) C-(iii) D-(iv)

(2) A-(iv) B-(iii) C-(i) D-(ii)

(3) A-(iii) B-(iv) C-(i) D-(ii)

(4) A-(ii) B-(i) C-(iv) D-(iii)

43. धर्म का समाजशास्त्री सिद्धान्त के प्रतिपादक कौनसे समाजशास्त्री है ?

(1) टाइलर (2) दुर्खीम

(3) पीउस (4) हॉबल

44. धर्म का प्रकार्यवादी सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन है ?

(1) काडरिंग्रन मैरेट एवं पीउस

(2) के हरबर्ट एवं जॉन हेलैण्ड

(3) समनट एवं केलट

(4) मैलिनोवस्की एवं रैडक्लिफ ब्राउन

45. संस्कृति सम्पर्क या एकीकरण का सिद्धान्त के प्रतिपादक है ?

(1) हट्टन (2) रिजले

(3) बहादुर शरद चन्द्र (4) नेसफील्ड

VPM CLASSES

46. सूची -I को सूची -II के साथ सुमेलित कीजिए

सूची -I (कारण)	**सूची -II (परिणाम)**
(A) जनसंख्या विस्फोट	(i) राष्ट्र पर आर्थिक भार
(B) ग्रामीण–नगरीय प्रबन्धन	(ii) लघु आय सम्भाविता
(C) निर्भर जनसंख्या का महतर अनुपात	(iii) लघु प्रति व्यक्ति आय
(D) ऊंची मृत्यु–दर	(iv) आवास एवं स्वच्छता की समस्या

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(iii) B-(ii) C-(i) D-(iv)

(2) A-(i) B-(iv) C-(iii) D-(ii)

(3) A-(iii) B-(iv) C-(i) D-(ii)

(4) A-(i) B-(ii) C-(iii) D-(iv)

47. ऊतक इंजीनियरिंग राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केन्द्र कहां स्थित है ?

(1) पूणे (2) बैंगलोर

(3) कल्याण (4) मध्य प्रदेश

48. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के निम्नलिखित कार्यक्रमों को उनके व्यवस्थित क्रम में रखिए–

1. गिनी कृमि उन्मूलन कार्यक्रम 2. राष्ट्रीय कैंसर नियन्त्रण कार्यक्रम

3. प्रजनन तथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम 4. सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम

कूट :

(1) 2, 1, 4, 3 (2) 2, 4, 3, 1

(3) 1, 2, 4, 3 (4) 4, 3, 2, 1

49. **स्थापना (A) :** संविधान के अनुसार शिक्षा की तरह स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना भी केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है।

तर्क (R) : किन्तु विभिन्न राज्यों में संविधान के आवण्टन के संदर्भ में मानव संसाधन का एक समान विकास नही हो सका है।

(1) A और R दोनो सही है तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

VPM CLASSES

(2) A और R दोनों सही है परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) A सही, R गलत

(4) A गलत, R सही

50. ''गन्दी बस्तियों की सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं सार्वभौमिक विशेषता गरीबी है। गन्दी बस्तियों में रहने वाले लोग बाजार द्वारा तय किया हुआ किराया देने में असमर्थ होते है।'' उक्त कथन किसका है ?

(1) बोगार्ड्स (2) देसाई व पिल्लई

(3) मनासी (4) मुखर्जी

51. **स्थापना (A) :** गन्दी बस्तियों के निर्माण का प्रमुख कारण गरीबी है।

तर्क (R) : परिणामस्वरूप वे सस्ते किराए के मकानों में रहते है जो गन्दी बस्तियों में ही उपलब्ध होते है।

(1) A और R दोनो सही है तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(2) A और R दोनों सही है परन्तु R, A की सही स्पष्टीकरण नही है।

(3) A सही, R गलत

(4) A गलत, R सही

52. संस्कृतीकरण के कारण भी लोगों के स्थान परिवर्तन के अनेक उदाहरण किस समाजशास्त्री द्वारा दिए गए है ?

(1) घूरिये (2) दूबे

(3) श्रीनिवास (4) सोरोकन

53. दुर्खीम ने आत्महत्या से सम्बन्धित निम्नलिखित निष्कर्ष दिए है इनमें से कौन 'सत्य' नहीं है?

(1) आत्महत्या की दरें प्रतिवर्ष असमान रहती है।

(2) आत्महत्या की दरें जाड़ों की अपेक्षा गर्मियों में ऊंची रहती है।

(3) स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों में आत्महत्या अधिक पाई जाती है।

(4) बड़ों की अपेक्षा छोटों में अधिक आत्महत्या पाई जाती है।

VPM CLASSES

54. किस समाजशास्त्री ने विचलित व्यवहार को अन्तः क्रियात्मक सामाजिक व्यवस्था में असन्तुलन की व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किया है ?

(1) क्लोवार्ड (2) मर्टन

(3) पारसन्स (4) जॉनसन

55. सदरलैण्ड ने अमेरिका के 200 प्रमुख संस्थाओं में से कितनी संस्थाओं को अपने अध्ययन का आधार बनाया ?

(1) 50 (2) 60

(3) 70 (4) 90

56. किस समाजशास्त्री ने परम्परा को एक संचार की प्रक्रिया के रूप में समझाया है ?

(1) प्रो. जिन्सबर्ग (2) फेयरचाइल्ड

(3) प्रो. योगेन्द्र सिंह (4) प्रो. दूबे

57. किसके अनुसार तलाक की दर के साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक संरचना के कुछ पहलू जुड़े है ?

(1) सैक्यूमरी (2) जॉनसन

(3) विलियम जे गुडे (4) डेविस

58. **स्थापना (A) :** जातिवादी राजनीति जनसंख्या नियंत्रण एक महत्वपूर्ण बाधा है।

तर्क (R) : वर्तमान में राजनीति जाति के वोट बैंक पर टिकी है।

(1) A और R दोनों सही है, R, A की सही व्याख्या करता है।

(2) A और R दोनों सही है, R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) A सही, R गलत है।

(4) A गलत, R सही

59. नवीन राष्ट्रीय जलनीति को किस वर्ष स्वीकृति प्रदान की गई ?

(1) 1991 (2) 2000

(3) 2002 (4) 2005

VPM CLASSES

60. निम्नलिखित जन स्वास्थ्य की अवधारणाओं से संबंधित चरणों को उनके कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए –

1. सभी के लिए स्वास्थ्य चरण
2. स्वास्थ्य संवर्द्धन चरण
3. रोग निवारण चरण
4. सामाजिक अभियान्त्रिकी चरण

कूट :

(1) 1, 2, 3, 4
(2) 4, 1, 3, 2
(3) 2, 4, 1, 3
(4) 3, 2, 4, 1

61. **कथन I :** वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों के विश्लेषण में आधुनिकता का प्रयोग सामान्यतया परम्परा के विरोधी रूप में किया जाता है।

कथन II : औद्योगीकरण की प्रक्रिया के फलस्वरूप विश्व में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया का जन्म हुआ।

(1) केवल कथन I सत्य है।
(2) केवल कथन II सत्य है।
(3) दोनों कथन सत्य है।
(4) दोनों कथन असत्य है।

62. वैश्वीकरण का कार्यक्रम किस औद्योगीकरण के संकट की उपज है ?

(1) पश्चिमी उत्तर
(2) उत्तर–पश्चिम
(3) दक्षिणी उत्तर
(4) उत्तर–पूर्व

63. वैश्वीकरण और उदारीकरण का सबसे प्रमुख प्रभाव किस रूप में देखने को मिला है ?

(1) जीवन की गुणवत्ता
(2) निजीकरण
(3) महिला सशक्तीकरण
(4) आय में वृद्धि

64. **स्थापना (A) :** वैश्वीय संस्कृति सामान्यतया पूर्वी संस्कृति है।

तर्क (R) : आधुनिकीकरण ने विश्व भर की संस्कृतियों को मिश्रित करने का प्रयास किया है।

(1) A और R दोनों सही हैं, R, A की सही व्याख्या करता है।

(2) A और R दोनों सही है परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) A सही, R गलत

(4) A गलत, R सही

VPM CLASSES

65. **कथन (A) :** उत्पादन प्रौद्योगिकी के अत्यन्त आधुनिक रूप में स्वचालन ने अनेक समाजशास्त्रियों की रूचि को आकर्षित किया है।

कारण (R) : स्वचालन, श्रमिक वर्ग के अन्तर्गत तथा श्रमिक वर्ग के शेष समाज के साथ सम्बन्धों दोनों में, महत्वपूर्ण परिवर्तन उत्पन्न करता है।

(1) A और R दोनों सही हैं, R, A की सही व्याख्या करता है।

(2) A और R दोनों सही है परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) A सही, R गलत है।

(4) A गलत, R सही है।

66. ''ग्रामीण समाजशास्त्र को समाजशास्त्र की वह शाखा मान सकते है जो ग्रामीण समुदायों का उनकी दशाओं एवं प्रवृत्तियों के अन्वेषण एवं प्रगति के सिद्धान्त निर्माण हेतु व्यवस्थित अध्ययन करती है।'' यह कथन किसका है ?

(1) बट्रैंण्ड (2) जे बी चिताम्बर

(3) जे एम गिलिट (4) सेण्डरसन

67. किस उच्च न्यायालय ने 'धीरे काम करो' हड़ताल को अनुचित माना है ?

(1) दिल्ली उच्च न्यायालय (2) बम्बई उच्च न्यायालय

(3) गुजरात उच्च न्यायालय (4) मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय

68. ''स्वतंत्रता का प्रारम्भ धरातल से होना चाहिए'' उक्त कथन किसका है ?

(1) चार्ल्स ट्रविलिन (2) के पी जायसवाल

(3) नेहरू जी (4) महात्मा गांधी

69. सूची -I को सूची -II के साथ सुमेलित कीजिए

सूची -I (क्षेत्र)	**सूची -II (बंधुआ मजदूरों को दिया गया नाम)**
(A) चेन्नई	(i) घोलिया
(B) ओडिशा	(ii) पनैया
(C) बिहार	(iii) सागड़ी
(D) राजस्थान	(iv) कामिया

कूट : (A) (B) (C) (D)

VPM CLASSES

(1) A-(i) B-(ii) C-(iii) D-(iv)

(2) A-(ii) B-(i) C-(iv) D-(iii)

(3) A-(ii) B-(i) C-(iii) D-(iv)

(4) A-(i) B-(ii) C-(iv) D-(iii)

70. सूची -I को सूची -II के साथ सुमेलित कीजिए

सूची -I	**सूची -II**
(A) परम्पराओं की प्रधानता	(i) जटिल अर्थव्यवस्था
(B) विशेषज्ञता तथा तकनीकी निपुणता	(ii) कृषि भूमि अर्थव्यवस्था
(C) प्रतिस्पर्द्धा की प्रधानता	(iii) नियोजित अर्थव्यवस्था
(D) राष्ट्र द्वारा नियन्त्रण	(iv) बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था
	(v) राजनीतिक अर्थव्यवस्था

कूट : (A) (B) (C) (D)

(1) A-(ii) B-(iii) C-(iv) D-(v)

(2) A-(iv) B-(i) C-(ii) D-(iii)

(3) A-(ii) B-(i) C-(iv) D-(iii)

(4) A-(iv) B-(iii) C-(ii) D-(v)

71. **कथन I :** विभिन्न लोगों एवं विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के मध्य बढ़ती हुई पारस्परिकता ही वैश्वीकरण है।

कथन II : शोध को उपयोगी बनाने और विश्व को समझने हेतु वैश्वीकरण को बहुलवादी होना ही पड़ेगा।

(1) कथन I सही है। (2) कथन II सही है।

(3) दोनों कथन सही हैं (4) दोनों कथन गलत हैं

72. समाजवाद का आवश्यक लक्षण यह है कि उद्योग एवं सेवाएं, साथ ही उत्पादन के साधन, व्यक्तिगत स्वामित्व में न हो तथा औद्योगिक एवं सामाजिक प्रशासन व्यक्तिगत लाभ के संदर्भ में किया जाए। – उक्त कथन किसका है ?

(1) जेमेसन (2) सिडनी तथा वेब

(3) यूरोपीयन कमीशन (4) जॉर्ज बनार्डि शॉ

VPM CLASSES

73. "Modernization of India Tradition" नामक पुस्तक किस समाजशास्त्री की है ?

(1) योगेन्द्र सिंह (2) ए. आर. देसाई

(3) वीरस्टीड (4) दूबे

74. सर्वप्रथम जनसंख्या वृद्धि एवं परिवर्तन तथा सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन के मध्य पारस्परिक सम्बन्धों का निर्धारण किसने किया ?

(1) माल्थस (2) ब्राउन

(3) ग्रारनियर (4) निकोलसन

75. **कथन (A) :** जनांकिकी में, स्थिरता उस स्थिति की द्योतक है, जिसमें स्त्री–पुरुष की जनसंख्या की उम्र का वितरण में कोई परिवर्तन नहीं हो, तथा व ृद्धि दर चाहे धनात्मक – ऋणात्मक तथा शून्य हो, स्थिर रहती है।

कारण (R) : एक समय में प्रजननता की उम्र विशिष्ट दर तथा मृत्युता की उम्र विशिष्ट दर स्थिर रहे।

(1) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

(2) A और R दोनों सही है, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(3) A सही है, परन्तु R गलत है।

(4) A गलत है परन्तु R सही है।

76. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची–I	सूची–II
(a) एक प्रस्थिति विशेष के साथ जुड़ा हुआ अपेक्षित व्यवहार	(1) भूमिका
(b) एक प्रस्थिति विशेष के साथ जुड़ा हुआ भूमिका द्वन्द्व	(2) भूमिका द्वन्द्व
(c) दो या दो से अधिक उन भूमिकाओं से अभियाचन जिसमें द्वन्द्व नहीं होता	(3) भूमिका तनाव

VPM CLASSES

(d) एक ही भूमिका से द्वन्द्वपूर्ण अभियाचन

(4) भूमिका विन्यास

(5) भूमिका प्रतिरूप

कूट :

	a	b	c	d
(1)	a-1	b-3	c-2	d-4
(2)	a-2	b-5	c-3	d-4
(3)	a-1	b-4	c-2	d-3
(4)	a-2	b-5	c-4	d-1

77. किस गतिविधि का व्यवस्था के बनाव–बिगाड़ से कोई सरोकर नहीं होता है?

(1) प्रकार्य

(2) दुष्प्रकार्य

(3) अप्रकार्य

(4) निष्प्रकार्य

78. दुर्खिम ने श्रम विभाजन के किस खण्ड में समाज के उस भाग का विवेचन किया है, जिसमें श्रम विभाजन के कारण असामान्य स्वरूप मिलते हैं?

(1) प्रथम खण्ड में

(2) द्वितीय खण्ड में

(3) तृतीय खण्ड में

(4) चतुर्थ खण्ड में

79. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची–I (लेखकों के नाम)	सूची–II (पुस्तकों के शीर्षक)
(a) सी.एन. चेपेकर	(1) दी कामार
(b) एम.सी. दुबे	(2) दी भील्स : ए स्टडी
(c) डी.एन. मजूमदार	(3) ठाकुर्स ऑफ सहयाद्री
(d) टी.बी. नायक	(4) दी संथाल : ए स्टडी इन कलचरल चेंज
	(5) दि पारसीज़

	a	b	c	d
(1)	a-1	b-4	c-2	d-5

VPM CLASSES

(2) a-3 b-1 c-4 d-2

(3) a-5 b-1 c-4 d-2

(4) a-3 b-2 c-5 d-4

80. सामाजिक क्रिया का अध्ययन करते हुए कौनसे समाजशास्त्री इस बात पर जोर देते हैं कि सामाजिक क्रिया का यह विज्ञान अपनी परिधि में बहुत व्यापक है?

(1) वेबर (2) फेण्ड

(3) एरों (4) क्लार्क

81. प्रतीकात्मक अन्तः क्रिया पद की उत्पत्ति किस समाजशास्त्री से जुड़ी हुई है?

(1) पेरेटो (2) ब्लूमर

(3) बोर्दूयू (4) मिचेल्स

82. अर्नाल्ड टायन्ती की वह कौनसी पुस्तक है जिसमें उन्होंने सभ्यताओं के विकास पर टिप्पणी की है?

(1) ए स्टडी ऑफ हिस्ट्री

(2) क्लास एण्ड क्लास कन्फिलट इन इण्डस्ट्रीज सोसायटी

(3) द फंक्शन ऑफ सोक्ष कन्फिलक्ट

(4) दि रूलिंग क्लास

83. अलगाव की व्याख्या करते हुए यह किसने कहा कि यह वह कोटि है। जिसमें आदमी की गतिविधियों का वस्तुगत परिवर्तन होता है?

(1) राबर्ट (2) मर्टन

(3) एडम स्वाक (4) ओर्गुसोव

84. नृजाति पद्धति शास्त्र का दूसरा महत्वपूर्ण सम्बोध है?

(1) निर्देशिका (2) चिन्तनशीलता

(3) तार्किक विवरण (4) व्यवहारिक समाजशास्त्रीय तर्क

85. समाजशास्त्र की पद्धति ..... आक्षित है। रिक्त स्थान में से कौनसा पद आयेगा?

(1) आनुभाविकता (2) वस्तुपरकता

VPM CLASSES

(3) मूल्य तटस्थता (4) सारभौमिकता

86. समाजशास्त्र की अध्ययन पद्धति के अन्तर्गत महत्व दिया जाता है?

(1) सारभौमिकता (2) आनुभाविकता

(3) वस्तुपरकता (4) संख्यात्मक स्वरूप

87. क्रियाशील शोध का वह कौनसा विशेष रूप है जो किसी कार्यक्रम के अपेक्षित अथवा अनपेक्षित परिणामों को मालूम करने के लिए की जाती है।

(1) व्यवहारिक शोध (2) मूल्यांकनपरक शोध

(3) मूलभूत शोध (4) प्रायोगिक शोध

88. शोध के अर्थ में दो या दो से अधिक परिवर्त्यों के अंतर्संबंधों को व्यक्त करने वाला एक ऐसा अस्थाई कथन कहलाता है:–

(1) प्राक्कल्पना (2) वैकल्पिक प्राक्कल्पना

(3) बहुपरिवर्ती प्राक्कलपना (4) द्वैपरिवर्ती प्राक्कल्पना

89. एक ऐसी निदर्शन पद्धति जिसमें निदर्शन का चुनाव जनसंख्या की महत्वपूर्ण विशेषताओं के आधार पर किया जाता है, वह है–

(1) यथांश निदर्शन (2) दैव निदर्शन

(3) स्तरीकृत निदर्शन (4) नियंत्रित निदर्शन

90. ऐसी प्रश्नतालिका, जिसमें प्रश्नों के कुछ निश्चित वैकल्पिक उत्तर दिए होते हैं, उसे कहते हैं–

(1) प्रतिबंधित प्रश्नावली (2) मुक्त–प्रश्नावली

(3) प्रलेखीय अनुसूची (4) संस्थात्मक सूची

91. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची–I (लेखक)	सूची–II (अवधारणा)
(a) मैकाइवर और पेज	(1) सीमावर्ती समुदाय
(b) टालकॉट पारसन्स	(2) पैटर्न वैरिएबल्स

(c) आर.के. मर्टन (3) मध्य अभिसीसा सिद्धांत

(d) आर.के. मुखर्जी (4) महाविज्ञान

कूट :

	a	b	c	d
(1)	a-1	b-2	c-3	d-4
(2)	a-2	b-1	c-3	d-4
(3)	a-3	b-1	c-2	d-4
(4)	a-4	b-3	c-2	d-1

92. किस विधि द्वारा संप्रेषण की विषय वस्तु को वर्गीकरण के नियमों के वस्तुपरक तथा व्यवस्थित प्रयोग द्वारा उसे परिमाणात्मक तथ्यों में परिणित किया जाता है?

(1) सहभागी अवलोकन (2) वैयक्तिक अध्ययन

(3) अंतर्वस्तु विश्लेषण (4) मौखिक इतिहास

93. निम्नांकित में से वे कौनसे लोग हैं, जिनसे हमारा कोई संबंध नहीं होता, किन्तु प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं?

(1) सहभागीगण (2) पूर्ववर्तीजन

(3) उत्तरावर्त्तिजन (4) समकालीनजन

94. जहां प्राचल सांख्यिकी की आधारभूत मान्यताओं का पालन नहीं हो पाता, वहां ऐसी स्थिति में प्रयोग किया जाता है।

(1) प्राचल सांख्यिकी (2) अप्राचल सांख्यिकी

(3) वर्णनात्मक सांख्यिकी (4) निष्कर्षात्मक सांख्यिकी

95. मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक सांख्यिकी में जिस अंक के द्वारा किन्ही दो चरों व्यक्तियों, के आपसी संबंधों को व्यक्त किया जाता है, वह कहलाता है:–

(1) सह–संबंध गुणांक (2) सहसंबंध विश्लेषण

(3) चतुर्थांश विचलन (4) अनुपात विचलन

VPM CLASSES

96. सूची–I को सूची–II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची–I (सिद्धान्त)	सूची–II (विचारक)
(a) भौगोलिक निर्धारणवाद	(1) हंटिंग्टन
(b) वैचारिक निर्धारणवाद	(2) वेबर
(c) सांस्कृतिक निर्धारणवाद	(3) सोरोकिन
(d) प्रौद्योगिक निर्धारणवाद	(4) वेबलेन

कूट :

	a	b	c	d
(1)	a-4	b-3	c-2	d-1
(2)	a-4	b-2	c-3	d-1
(3)	a-1	b-3	c-2	d-4
(4)	a-1	b-2	c-3	d-4

97. निम्न अव्यवस्थित प्राप्तांकों से अनुपात विचलन (M.D.) प्राप्त होगा?

प्राप्तांक = 10, 15, 10, 20, 25, 15, 25, 20, 17, 23

(1) 6.93 (2) 33.5

(3) 4.60 (4) 21.5

98. अवलोकन की विश्वसनीयता के लिए किस प्रकार की अनुसूची का प्रयोग किया जाना चाहिए?

(1) निर्वचन अनुसूची (2) अवलोकन अनुसूची

(3) सामूहिक अवलोकन (4) समाजमिति अवलोकन

99. **कथन** (A):– राज्य अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक तथा आर्थिक हितों का विशेष ध्यान देते हुए संवर्धन करता है।

कारण (R):– कमजोर तथा अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों की शोषण से रक्षा तथा सामाजिक न्याय का संवर्धन कल्याणकारी राज्य के प्राथमिक प्रकार्यों में हैं।

VPM CLASSES

(1) A और R दोनों सही है, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(2) A और R दोनों सही है, परंतु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(3) A सही है, परंतु R गलत है।

(4) A गलत है, परंतु R सही है।

100. उन तथ्यों को ..... कहा जाता है। जिन्हें माप की इकाइयों के आधार पर संख्याओं में प्रस्तुत किया जा सकता है।

रिक्त स्थान में कौनसा पद आयेगा?

(1) परिभाषात्मक

(2) गुणात्मक पत्र

(3) अवलोकन

(4) नियंत्रित अवलोकन

VPM CLASSES

Question	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
Answer	B	A	C	D	C	C	A	C	D	A	B	C	B	C	B	B	B	C	D	A
Question	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
Answer	A	C	B	D	C	B	D	C	B	C	C	B	B	D	C	D	D	A	A	A
Question	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
Answer	B	C	B	D	C	C	A	A	D	B	A	C	A	C	C	A	B	A	C	D
Question	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80
Answer	C	A	B	D	A	C	B	D	B	C	C	B	A	A	A	C	C	C	C	A
Question	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
Answer	B	A	D	B	A	C	B	A	D	A	B	C	D	B	A	D	C	B	A	A

HINTS AND SOLUTIONS

1.(2) वह विचलन जिसमें व्यक्ति समाज द्वारा स्वीकृत साधनों का प्रयोग तो करते है किन्तु वे समाज स्वीकृत उद्देश्यों को पाने में सफल नही हो पाते। तब वे इसी बात से सन्तोष प्राप्त कर लेते है कि उन्होंने समाज स्वीकृत साधनों का प्रयोग तो किया। ऐसी दशा में लोग उद्देश्यों को प्राप्त करने की अधिक चिन्ता लोग उद्देश्यों को प्राप्त करने की अधिक चिन्ता नहीं करते। मर्टन इसे संस्कारवाद कहते है।

2.(1) शूट्ज का विश्लेषण का केन्द्र रोजमर्रा का जीवन विश्व रहा है। शूट्ज के अनुसार यह जीवन विश्व ऐसा अन्तवैषयिक द्विविधा युक्त जगत है जिसमें सामाजिक यथार्थ तथा पूर्वजों द्वारा निर्मित सामाजिक सांस्कृतिक संरचनाएं एक साथ विद्यमान होती है।

3.(3) **प्रलेखीय पद्धति** – इस पद्धति द्वारा एकत्रित तथ्यों में एक तथ्य दूसरे की व्याख्या के लिए आधार बनता है। इसमें अवलोकन के आधार पर तथ्यों को वर्गीकृत किया जाता है। सभी घटनाओं को उनके घटित होने के साथ के आधार पर क्रमबद्ध कर दिया जाता है। इस पद्धति के अन्तर्गत विभिन्न अर्थों के माध्यम से एकरूपता वाले प्रतिमानों को खोजा जाता है।

4.(4) सूची –I, सूची –II के साथ इस प्रकार से सुमेलित है –

1. ओस्टवाल्ड स्पेंगलर – सोशल एण्ड कल्चार डायनामिक्स
2. पिट्रीम सोरोकिन – द डेल्कास ऑफ द बेस्ट
3. वेस्टरमार्क – हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन मैरिज
4. डब्लू एफ ऑगबर्न – स्टडीज इन हिस्ट्री

5.(3) इरविंग गाफमैन की निम्नलिखित पुस्तकों का सही क्रम इस प्रकार से है –

1. Interaction Ritual – 1967
2. Frame Analysis – 1974
3. Gender Advertisements – 1976
4. Forms of Talk – 1981

6.(3) प्रघटनाशास्त्र कोई विचारधारा नहीं है, अपितु अध्ययन की एक पद्धति है, उपागम है और कुल मिलाकर एक दर्शन है। प्रघटनाशास्त्र में वस्तु जैसी दिख रही है उसे वैसा ही मान लेना हमारी भूल हो सकती है। यदि हमें वस्तु की वास्तविकता के बारें में जानना है तो हमें उस वस्तु के मूल में जाना होगा। अतः प्रघटनाशास्त्र समाजशास्त्र की पूर्व मान्यताओं के विरुद्ध वैषयिकता, चिन्तन एवं आलोचनात्मक मूल्यों को महत्व देता तथा स्वीकारता है। अतः विकल्प (3) सही है।

7.(1) निम्नलिखित समाजशास्त्रियों के उपनाम इस प्रकार से है –

1. वस्तुनिष्ठ समाजशास्त्र के पिता – दुर्खीम
2. व्याख्यात्मक समाजशास्त्र के पिता – मैक्स वेबर
3. भारत का कॉम्टे – धूरिये
4. मानवतावाद के धर्म का महान पुजारी – ऑगस्ट कॉम्टे

8.(3) निम्नलिखित समाजशास्त्रियों इस प्रकार से उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित है –

(i) Eastern Anthropology (1947) – आर. के मुखर्जी

(ii) Contribution of sociology – योकांक एण्ड ड्यूमा

(iii) Indian Journal of sociology – एस सी दुबे

(iv) Man of India (second) – एम सी रॉय

9.(4) निम्नलिखित समाजशास्त्री उनके कालाक्रमानुसार इस प्रकार से सुमेलित है –

1. कार्ल मार्क्स – 1818 – 1883 ई.
2. हरबर्ट स्पेन्सर – 1820 – 1903 ई.
3. विल्फ्रेड पैरेटो – 1848 – 1923 ई.
4. इस्माइल दुर्खीम – 1858 – 1917 ई.

10.(1) मानव केवल एक प्राणीशास्त्र प्राणी ही नहीं बल्कि एक सामाजिक प्राणी है और मानसिक आवश्यकताएं है। इन दोनो ही रुपो मे उसकी अनेक शारीरिक मानसिक आवश्यकताओ की

VPM CLASSES

पूर्ति किए बिना सामाजिक प्रणाी के रूप में मानव का अस्तित्व कदापि बना नही रह सकता। इन्हीं आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मनुष्य संस्कृति का निर्माण करता है।

11.(2) पारसन्स के अनुसार समाजशास्त्र का मुख्य उद्देश्य किसी सामाजिक व्यवस्था में मूल्यों के प्रतिमानों के संस्थाकरण की व्याख्या करना है। जब मूल्यों का संस्थाकरण हो जाता है और उनके अनुकूल व्यवहार संरक्षित हो जाता है।

12.(3) निम्नलिखित संकल्पनाएं उनके लेखकों के साथ इस प्रकार से सुमेलित है –

1. प्रकार्यात्मक अनिवार्यता – बी मैलिनोवस्की
2. प्रकार्यात्मक परिणामों का शुद्ध सन्तुलन – टी पारसन्स
3. सार्वभौमिक प्रकार्यात्मकता – रैडक्लिफ ब्राउन
4. प्रत्यक्षवादी जैविकवाद – आर के मर्टनन

13.(2) फ्रांसीसी विचारक लुइस अल्थ्यूजर ने संरचनात्मक मार्क्सवाद अर्थात् नव मार्क्सवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए है। अल्थ्यूजर, मार्क्स को संरचनावादी विचारक मानते है। उन्होंने मार्क्स की पुस्तक Das Capital तथा The Economic and philosophic Manuscripts को अपने अध्ययन का आधार बनाया है।

14.(3) हेबरमास के अनुसार आज का पूंजीवादी पूरी तरह से विरोधाभास से भरा पड़ा है और इसमें निहित ज्ञान भ्रष्ट ज्ञान है क्योंकि हेबरमास ने अभिव्यक्तिशीलता और भाषा को अपने विश्लेषण का केन्द्रीय आधार माना है। अभिव्यक्तिशीलता और भाषा उनकी पुस्तक 'दि थ्योरी ऑफ कम्यूनिकेशन एक्शन' उनके सिद्धान्त का मुख्य मुद्दा है।

15.(2) सामाजिक परिवर्तन में आर्थिक निर्णयवाद की अवधारणा कार्ल मार्क्स से जुड़ी है। ये आर्थिक निर्धारणवाद को महत्वपूर्ण मानते है। वे अर्थव्यवस्था को भौतिक व्यवस्था मानते है। जिसमें बदलाव आने पर ही सम्पूर्ण समाज में परिवर्तन आता है। यह उचित नहीं सामाजिक परिवर्तन में जैविक, राजनैतिक, वैचारिकी तथा अन्य महत्वपूर्ण कारक भी महत्वपूर्ण होते है।

16.(2) अभिव्यक्ति का तार्किक सिद्धान्त जे हेबरमास ने प्रस्तुत किया है। मनुष्य की अभिव्यक्ति किन्हीं सामाजिक दशाओं में होती है। ये युक्ता–युक्त में अन्तर करते है। युक्ता–युक्त उद्देश्य एक परक क्रिया का रूझान भौतिक पर्यावरण के प्रति होता है। जबकि अभिव्यक्तिशील क्रिया हम सामान्यतया कार्य और श्रम के अर्थ में लेते है।

VPM CLASSES

17.(2) सूची – I, सूची – II के साथ इस प्रकार से सुमेलित है –

1. लेजीटिमेशन क्राइसिस – 1973
2. नॉलेज एण्ड ह्यूमेन इन्टरेस्ट्स – 1968
3. पोस्ट मेटाफिजिकल थिंकिंग – 1992
4. थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस – 1963

18.(3) उत्तर आधुनिकता वैज्ञानिक ज्ञान का विरोधी है। उत्तर आधुनिकतावादी ज्ञान का विरोध करते है। उनका मत है कि वैज्ञानिक मत सम्पूर्ण ज्ञान का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। वैज्ञानिक ज्ञान मिथक की तरह सरकार को वैद्यता प्रदान करता है।

19.(4) निम्नलिखित पुस्तकें उनके कालक्रमानुसार इस प्रकार से व्यवस्थित है –

1. The Birth of Clinic – 1963 - माइकल फोकाल्ट
2. Reading Capital – 1970 - लुइस अल्थ्यूजर
3. The Transformation of Intimacy – 1992 - एन्थनी गिडेन्स
4. Circumsfession – 1993 - जैक्स डेरिडा

20.(1) सूची – I, सूची – II के साथ इस प्रकार से सुमेलित है –

1. एन्थनी गिडेन्स – संरचनाकरण
2. माइकल फोकाल्ट – संरचनावाद एवं उत्तर संरचनावाद
3. जेम्स डेरिडा – उत्तर संरचनावाद व उत्तर आधुनिकतावाद
4. माइकल फोकाल्ट – ज्ञान की शक्ति

21.(1) उत्तर का पर्वतीय भाग – यह उत्तर में कश्मीर से लेकर पूर्व में अरुणाचल प्रदेश के नेफा क्षेत्र तक इसका विस्तार है। इसकी लम्बाई लगभग 2400 किमी है तथा यह मुख्यतः पर्वतीय क्षेत्र है। यहाँ ऊंची –ऊंची चोटियां पाई जाती है। माउण्ट एवरेस्ट इसी में स्थित है।

22.(3) भारत के धर्मानुसार जनसंख्या (जनगणना वर्ष 2001 के अनुसार – कुल आबादी में हिन्दू जरसंख्या 80.5% है तथा मुस्लिम जनसंख्या 13.4% है। सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर वाला धर्म मुस्लिम (29.3%) है तथा न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि वाला धर्म सिख (16.9%) है। सर्वाधिक साक्षरता दर जैनों की है जबकि न्यूनतम साक्षरता वाला धर्म मुस्लिम है। सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला धर्म जैन धर्म तथा न्यूनतम महिला साक्षरता वाला धर्म मुस्लिम धर्म है। अतः कूट (3) सही है।

VPM CLASSES

23.(2) रिजले ने People of India में भारतीय समाज की 3000 जातियों, 427 जनजातियों तथा 4635 विभिन्न समुदायों की चर्चा की है। हाल के वर्षों में सम्पन्न भाारतीय मानव शास्त्रीय सर्वेक्षण का प्रोजेक्ट 'People of India 1985' में प्रारम्भ किया गया था।

24.(4) समनट ने 'हम की भावना' के आधार पर समूह को दो भागों में बांटा है –

1. **अन्तः समूह –** इस समूह के सदस्य आपस में नजदीकीपन के अपनत्व की भावना रखते है और अपने ही समूह क्षेत्र, भाषा को उच्च मानते है और उसी के प्रति समर्पित रहते है जैसे गांव, जाति, धार्मिक सम्प्रदाय, परिवार, कबीला आदि।

2. **बाह्य समूह –** इस समूह में हम की भावना व सहानुभूति का अभाव होता है। जैसे – शत्रु सेना, विभिन्न धार्मिक समूह, विदेशी समूह आदि।

25.(3) किंग्सले डेविस ने नगरीय समुदायों अर्थात् नगरीय सामाजिक संरचना की विशेषता, सामाजिक विजातीयता, द्वितीयक समितियाँ, द्वितीयक नियन्त्रण, व्यक्तिवादिता, स्थानीय पृथक्करण, सामाजिक सहिष्णुता बताई है। अतः कूट C सत्य है।

26.(2) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।

नगर ऐसा समुदाय है जिसमें सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक विषमता पाई जाती है। यह कृत्रिमता, व्यक्तिवादिता, प्रतियोगिता एवं घनी जनसंख्या के कारण नियंत्रण के औपचारिक साधनों द्वारा संगठित होता है। अर्थात् वे सभी स्थान जहां नगर, महापालिका, कैण्ट बोर्ड, क्षेत्र समिति इत्यादि है जहां कम से कम 5000 की आबादी है, प्रति वर्ग मील 400 व्यक्तियों का घनत्व है, कार्यरत पुरुष जनसंख्या का तीन चौथाई भाग और गैर–कृषि व्यवसाय में लगा है नगर कहलाता है।

27.(4) बौद्ध धर्म – ईसा से 563 वर्ष पूर्व बुद्ध का जन्म नेपाल की तराई में कपिलवस्तु के समीप लुम्बिनी गांव में हुआ। बुद्ध ने जो उपदेश और शिक्षा दी वह बौद्ध धर्म के नाम से जानी जाती है। बौद्ध धर्म का उदय सामाजिक और नैतिक आन्दोलन था।

28.(3) **पंजाबी –** इस भाषा का प्रयोग पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के उत्तरी भागों में पाया जाता है। पश्चिमी पंजाबी भाषा पर संस्कृत का प्रभाव है और उसे लण्डा/लण्डादी बोली बोली अर्थात् पश्चिमी की भाषा कहते है। पंजाबी भाषा की लिपि गुरुमुखी है।

VPM CLASSES

29.(2) निम्नलिखित जनजातियां उनकली अर्थव्यवस्था से इस प्रकार से सुमेलित है –

1. राजी – आखेट एवं खाद्य संग्रह
2. बैगा – स्थानान्तरित कृषि
3. टोडा – पशुचारण
4. मुण्डा – स्थायी कृषि

निम्न जनजाति उपरोक्त प्रकार के व्यवसाय करके अपना पालन–पोषण करती है।

30.(3) प्रो. ए आर पिल्लै, लुइस ड्यूमा, जी एस घुरिये, के एम कपाडिया ने भारतीय समाज का अध्ययन भारत विद्याशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य से किया है और श्रीनिवास ने संरचनात्मक–प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य तथा एन के बोस ने सभ्यतावादी परिप्रेक्ष्य में भारतीय समाज का अध्ययन किया है।

31.(3) सामाजिक परिवर्तन मात्र सामाजिक सम्बन्धों में होने वाला परिवर्तन है। यह परिवर्तन चेतन एवं अचेतन दोनों परिवर्तनों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है जबकि सांस्कृतिक परिवर्तन धर्म, विश्वास, कला, साहित्य, प्रथा, कानून आदि सही क्षेत्रों में होने वाला परिवर्तन है। यह परिवर्तन प्रायः सचेत प्रयत्नों से घटित होता है। अतः दोनों कथन सत्य है।

32.(2) ए. आर. देसाई की प्रमुख पुस्तकें इस प्रकार से व्यवस्थित क्रम से है –

1. Social Background of Indian Nationalism – 1946
2. Recent Trends in Indian Nationalism – 1960
3. Rural sociology in India – 1969
4. Slums and Urbanisation – 1970

33.(2) एन. के बोस प्रथम पीढ़ी के मानवशास्त्रियों एवं समाजशास्त्रियों में से एक है उनकी गणना गांधीवादी विचारकों में भी की जाती है उनके द्वारा लिखित पुस्तकों का सही अनुक्रम इस प्रकार से है –

1. Tribal Life in India – 1971
2. Problems of Nationalism – 1969
3. Excavations in Mayurbang
4. Canons of Orrisian Architecture

34.(4) मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य – प्रत्येक समाज में सहयोग तथा संघर्ष पाया जाता है। सहयोग जीवन में एकमत, एकीकरण और संगठन का विकास करता है, जबकि संघर्ष दमन, विरोध तथा हिंसा की उत्पत्ति करता है यद्यपि संघर्ष से व्यवस्था में संतुलन नहीं रहता, फिर भी सहयोग की तरह संघर्ष भी सामाजिक व्यवस्था का एक अनिवार्य अंग है। मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य में व्यवस्था में पाए जाने वाले तनाव व संघर्ष के आयामों को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। समाज तनाव व संघर्ष से आक्रान्त है और सामाजिक जीवन में सामान्य सहमति न होकर

असहमति, प्रतिस्पर्द्धा तथा स्वार्थो के संघर्ष की प्रधानता होती जा रही है।

35.(3) सभ्यतावादी परिप्रेक्ष्य के समाजशास्त्री सुरजीत सिन्हा का प्रमुख कार्य भारत में 'भूमिज हिन्दू अन्तर्क्रिया' (1957) पर रहा है जिसके आधार पर उन्होंने जनजाति – जाति सातत्य, जनजाति राजपूत सातत्य, भूमिज क्षत्रिय सातत्व जैसी अवधारणाओं को विकसित किया है।

36.(4) दलितवादी परिप्रेक्ष्य के समाजशास्त्री बी आर अम्बेडकर द्वारा सन् 1955 में 'भारतीय बुद्ध महासभा' की स्थापना की और 14 अक्टूबर 1956 को उन्होंने 'बुद्धधर्म' स्वीकार कर लिया।

37.(4) निर्धनता हेतु सामाजिक कारण – दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली, सामाजिक कुप्रथाएँ, धर्म, संयुक्त परिवार प्रणाली, जाति–व्यवस्था है तथा कृषि का पिछड़ापन आर्थिक कारणों में से एक है।

38.(1) प्राजातीय पूर्वाग्रह वह अभिवृत्ति है जो एक प्रजातीय समूह का दूसरे प्रजातीय समूह के प्रति नकारात्मक स्वभाव का होना दर्शाती है क्योंकि उसकी उत्पत्ति प्रजातीय उच्चक एवं हीनता की मनोग्रन्थि में अस्थापित विश्वासों में होती है। यह वंशानुक्रम, नस्ल या प्रजातीय गुणों या उपजातियों के द्वारा जुड़ा है। अतः (1) और (R) दोनों सही है तथा (R) (1) का सही स्पष्टीकरण है।

39.(1) नातेदारी शब्द भूमिका शब्द है क्योंकि नातेदारी शब्द जैविक और सामाजिक संबंधों को समान रूप से अभिहित करते है। नातेदारी का आधार मूलतः जैविकीय होते हुए भी इसका आधार सामाजिक होता है। अर्थात् नातेदारी में सामाजिक मान्यता जैविकीय तत्व पर आरोपित होती है। गोद ली हुई सन्तान जैविकीय नहीं होती लेकिन सामाजिक मान्यता द्वारा इससे जैविकीय संबंध स्थापित किया जाता है।

40.(1) मॉर्गन पहले विद्वान थे जिन्होंने नातेदारी शब्दावलियों के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन्होंने न्यूयार्क राज्य के 'इराक्विस जनजाति' का जीवनपर्यन्त अध्ययन किया और अपने अध्ययन में पाया कि इराक्विस लोगों में नातेदारी के नामों का उल्लेख करने का तरीका पश्चिमी समाजों से बिल्कुल भिन्न है।

41.(2) लारेन्स स्टोन ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के अनुसार परिवार को तीन चरणों से गुजारा है –

1. खुला वंशावली परिवार (16वीं सदी)
2. प्रतिबन्धित पितृसत्तात्मक परिवार (16–18वीं सदी)
3. बन्द घरेलू मूल परिवार (18वीं सदी से आज तक)

42.(3) सूची I, सूची II के साथ इस प्रकार से सुमेलित है –

1. एकान्तिक नाभिक परिवार – पारसन्स
2. मातृ–पित्त स्थानीय परिवार – मरडॉक
3. मूल परिवार – मरडॉक
4. पितृसत्तात्मक परिवार – लीप्ले (सर्वप्रथम), फ्रेडरिक

43.(2) धर्म का समाजशास्त्री सिद्धान्त या टोटमवाद के प्रतिवादक दुर्खीम है। इन्होंने समाज को देवता माना और कहा कि धर्म सामूहिक जीवन का प्रतीक है। दुर्खीम ने पुनः लिखा है कि ईश्वर या स्वर्ग का निर्माण समाज के द्वारा किया गया। दुर्खीम विश्वासों एवं अनुष्ठानों को धर्म में सम्मिलित करते है।

44.(4) धर्म का प्रकार्यवादी सिद्धान्त इसके प्रतिपादक मैलिनोवस्की तथा रैडक्लिफ ब्राउन है। इस सिद्धान्त के अनुसार यह बताया गया है कि जिस प्रकार मनुष्यों के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, आवश्यक है, उसी प्रकार धर्म भी आवश्यक है।

45.(3) संस्कृति सम्पर्क या एकीकरण का सिद्धान्त के प्रतिपादक राय बहादुर शरद चन्द्र राय है। इस सिद्धान्तानुसार भारत की जाति प्रथा भारत में विभिन्न प्रजातियों एवं संस्कृतियों के मिलन एवं अन्तःक्रिया के फलस्वरूप उत्पन्न हुई।

46.(3) सूची -I, सूची -II के साथ इस प्रकार से सुमेलित है –

1. जनसंख्या विस्फोट प्रबन्धन – लघु प्रति व्यक्ति आय
2. ग्रामीण नगरीय प्रबन्धन – आवास एवं स्वच्छता की समस्या
3. निर्भर जनसंख्या का महत्तर अनुपात – राष्ट्र पर आर्थिक भार
4. ऊंची मृत्यु दर – लघु आय संभाविता

47.(1) ऊतक इंजीनियरिंग राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केन्द्र, पूणे में कोशिका कल्चर, ऊतक बैंकिग और इंजीनियरिंग पर कई अध्ययन किए गए है। इनमें बायो कम्पोटिबल सिन्थेसिस का विकास महत्वपूर्ण है जो औषधि नियन्त्रण और प्रतिरूप के साथ ही जले हुए रोगियों के लिए चर्म विस्थापन के लिए उपयुक्त है।

VPM CLASSES

48.(1) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के निम्नलिखित कार्यक्रम इस प्रकार से व्यवस्थित है –

1. राष्ट्रीय कैंसर नियन्त्रण कार्यक्रम – 1975
2. गिनी कृमि उन्मूलन कार्यक्रम – 1983–84
3. सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम – 1985
4. प्रजनन तथा बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम – 1997

49.(4) संविधान के अनुसार शिक्षा की तरह स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना भी राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इसमें केन्द्र की भूमिका परामर्शदाता की है। भारत जैसे विशाल देश में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए विकेन्द्रीकरण का होना आवश्यक है। किन्तु विभिन्न राज्यों में संसाधन के आवण्टन के संदर्भ में मानव संसाधन का एक समान विकास नही हो सका है।

50.(2) सामान्यतः गन्दी बस्ती में कम आय वाले लोग रहते है। यद्यपि कुछ ऐसे भवन भी हो सकते है जो जीर्ण शीर्ण है, किन्तु उनमें रहने वाले गरीबी नही है फिर भी गन्दी बस्ती एक गरीबी का क्षेत्र होता है। उक्त कथन देसाई व पिल्लई का है।

51.(1) A और R दोनो सही है तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है। गन्दी बस्तियों के निर्माण का प्रमुख कारण गरीबी है। लोगों के पास इतना पैसा नही होता है कि वे ऊंचे किराए के स्थास्थ्यप्रद एवं अच्छे मकानों को किराए पर लेकर रह सके। परिणामस्वरूप वे सस्ते किराए के मकानों में रहते है। जो गन्दी बस्तियों में ही उपलब्ध होते है।

52.(3) सामाजिक कारणों से अनेक बार गांवों में उच्च जातियों द्वारा निम्न जातियों के शोषण के कारण वे गांव छोड़कर अन्य क्षेत्रों में रहने के लिए चले जाते है। डॉ. एम एन श्रीनिवास ने संस्कृतीकरण के कारण भी लोगों के स्थान परिवर्तन के अनेक उदाहरण दिए है। इसी प्रकार से गांवों में प्रभुजातियों के दमन से छुटकारा पाने के लिए लोग गांवों से नगरों में विस्थापित हो जाते है।

53.(1) दुर्खीम ने आत्महत्या से सम्बन्धित जो निष्कर्ष दिए है इनमें से कथन (1) सत्य नहीं है। आत्महत्या की दरें प्रतिवर्ष लगभग समान रहती है। दुर्खीम आत्महत्या के सामाजिक कारणों की व्याख्या करने से पहले उन गैर–सामाजिक कारणों का खण्डन करते है जो आत्महत्या के लिए उत्तरदायी बताए जाते है।

54.(3) टालकट पारसन्स ने 'द सोशल सिस्टम' के सातवें अध्याय में विचलित व्यवहार की अवधारणा को प्रस्तुत किया है। इनके अनुसार सामाजिक अन्तःक्रियाओं के दौरान ये व्यक्ति के व्यवहारों

तथा कार्यो को नियंत्रित करने के लिए कुछ सामाजिक संहिताएं या नियम अथवा संस्थागत व्यवहार प्रतिमान विकसित हो जाते है और प्रत्येक व्यक्ति से यह आशा की जाती है कि वह उन्हीं के अनुरूप व्यवहार करे।

55.(3) सदरलैण्ड ने अमेरिका के 200 प्रमुख संस्थाओं में से 70 को अपने अध्ययन का आधार बनाया। इसके साथ 15 शक्ति तथा बिजली नियमों का भी अध्ययन किया। अध्ययन के अपराध आधार पर सदरलैण्ड ने बताया कि समकालीन अमेरिका समाज में श्वेतासन अपराधों की भरमार है।

56.(1) प्रो. जिन्सबर्ग ने परम्परा को एक संचार की प्रक्रिया के रूप में समझाया है। वे कहते है कि जब मूल्यों, मान्यताओं, विश्वासों, विचारों और यहां तक कि आदतों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को स्थानान्तरित किया जाता है तो वह स्थानान्तरण परम्परा ही होती है। उसमें भूतकाल के अनुरूप निहित होते है और समूह की स्वीकृति भी।

57.(2) जॉनसन के अनुसार तलाक की दर के साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक संरचना के कुछ पहलू जुड़े है। उन्होंने तलाक के निम्न कारण बताए है –

1. तलाक के प्रति धार्मिक सहिष्णुता
2. तलाक के प्रति कानूनी सहिष्णुता
3. औद्योगीकरण
4. नगरीकरण
5. जन्म नियंत्रण
6. भौतिक गतिशीलता
7. उदग्र सामाजिक गतिशीलता की वृद्धि
8. जनसंख्या की विजातीयता
9. विवाह साथी से अत्यधिक अपेक्षा

58.(1) जातिवादी राजनीति जनसंख्या नियंत्रण में एक महत्वपूर्ण बाधा है। वर्तमान में राजनीति जाति के वोट बैंक पर टिकी है। अतः प्रत्येक राजनीतिक दल, विशेषकर क्षेत्रीय दल चाहते है कि उनकी जाति विशेष के लोगों की संख्या अधिकाधिक हो। नेताओं की यह सोच जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करती है।

VPM CLASSES

59.(3) वर्ष 2002 में नवीन राष्ट्रीय जल नीति को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के अन्तर्गत देश के जल संसाधनों के विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जल बोर्ड, राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद, केन्द्रीय भूमिगत जल प्राधिकरण तथा संबंधित जल संसाधन विकास योजना द्वारा अनेक कदम उठाए गए।

60.(4) जनसंख्या की अवधारणा हमेशा ही बदलती रहती है जिसको निम्नलिखित चरणों में बांटा गया है –

1. रोग निवारण चरण – 1880 – 1920
2. स्वास्थ्य संवर्द्धन चरण – 1920 – 1960
3. सामाजिक अभियान्त्रिकी चरण – 1960 – 1980
4. सभी के लिए स्वास्थ्य चरण – 1980 – 2000

61.(3) वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों के विश्लेषण में आधुनिकता का प्रयोग सामान्तया परम्परा के विरोधी रूप में किया जाता है क्योंकि औद्योगीकरण की प्रक्रिया के फलस्वरूप विश्व में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया का जन्म हुआ हैं। अतः कूट C सही है।

62.(1) वैश्वीकरण का कार्यक्रम पश्चिमी उत्तर औद्योगीकरण के संकट की उपज है जो मानवीय सन्देश और अनुरूपता के सवाल से पृथक है। आम जनता से लेकर अर्थशास्त्रियों तक के बीच एक भ्रान्ति है कि हम नियोजित अर्थव्यवस्था से मुफ्त बाजार की ओर जा रहे है।

63.(2) वैश्वीकरण और उदारीकरण का सबसे प्रमुख प्रभाव निजीकरण के रूप में देखने को मिला है। विकसित देशों के विभिन्न उपक्रम निजी संस्थाओं द्वारा चलाए जाते है तथा अच्छा मुनाफा भी कमाते है। इससे प्रेरित होकर विभिन्न विकासशील देशों में भी निजीकरण की लहर दौड़ रही है और धीरे–धीरे विभिन्न उपकरणों का निजीकरण हो रहा है।

64.(4) वैश्वीय संस्कृति सामान्यतया पश्चिमी संस्कृति है। आधुनिकीकरण ने विश्व भर की संस्कृतियों को मिश्रित करने का प्रयास किया है फिर भी इस मिश्रण में पश्चिमी और अमेरिकीय संस्कृतियों की प्रधानता रही है। अतः (3) सही है।

65.(1) उत्पादन प्रौद्योगिकी के अत्यन्त आधुनिक रूप में स्वचालन ने अनेक समाजशास्त्रियों की रूचि को आकर्षित किया है क्योंकि स्वचालन श्रमिक वर्ग के अन्तर्गत तथा श्रमिक वर्ग के शेष समाज के साथ सम्बन्धों दोनों में, महत्वपूर्ण परिवर्तन उत्पन्न करता है अतः (1) और (R) दोनों सही है तथा (R), (1) की सही व्याख्या करता है।

VPM CLASSES

66.(3) ग्रामीण समाजशास्त्र ग्रामीण पर्यावरण, ग्रामीण समूहों, ग्रामीण सामाजिक प्रक्रियाओं एवं अन्तः क्रियाओं, ग्रामीण सामाजिक संरचना एवं संगठन आदि का मानवीय संबंधों पर पड़ने वाले विषयों का अध्ययन करने के साथ ही यह ग्रामीण समस्याओं का निराकरण, ग्रामीण पुनः निर्माण और उत्थान में व्यावहारिक योग देने वाला विज्ञान भी है। अर्थात् ग्रामीण समाजशास्त्र सम्पूर्ण ग्रामीण जीवन का ही विज्ञान है।

67.(2) 'धीरे काम करो' हड़ताल – इस प्रकार की हड़ताल के अनुसार श्रमिक या कर्मचारी अपनी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं करते है तथा अपनी सामान्य क्षमता से कम क्षमता के अनुसार अर्थात् धीरे–धीरे कार्य करते रहते है। इस प्रकार की हड़ताल में श्रमिकों को पूरा वेतन मिलता है लेकिन सेवायोजकों के कार्य की हानि होती है। इस प्रकार इससे श्रमिकों के वेतन या मजबूरी का भार बढ़ता जाता है और उत्पादन भी प्रभावित होता है। इसलिए बम्बई उच्च न्यायालय ने 'धीरे काम करो' हड़ताल को उचित अनुचित माना है।

68.(4) स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरान्त देश के कर्णधारों का ध्यान 'लोकतांत्रिक समाजवादी समाज' की स्थापना के उद्देश्यों से ग्रामीण पुनर्निमाण तथा पंचायतों के पुनर्गठन की ओर गया। प्रत्येक ग्राम एक छोटा गणराज्य हो जो कि पूर्णतया आत्मनिर्भर हो, उसे किसी भी आवश्यकता की पूर्ति हेतु, दूसरो पर आश्रित न रहना पड़े।

69.(2) निम्नलिखित क्षेत्रों में बंधुओं मजदूरों को दिया गया नाम इस प्रकार से है –

1. चेन्नई – पनैया
2. ओडिशा – घोलिया
3. बिहार – कामिया
4. राजस्थान – सागड़ी

70.(3) सूची -I, सूची -II से इस प्रकार सुमेलित है –

1. परम्पराओं की प्रधनता – कृषि भूमि अर्थव्यवस्था
2. विशेषज्ञता तथा तकनीकी निपुणता – जटिल अर्थव्यवस्था
3. प्रतिस्पर्द्धा की प्रधानता – बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था
4. राष्ट्र द्वारा नियन्त्रण – नियोजित अर्थव्यवस्था

VPM CLASSES

71.(3) विभिन्न लोगों एवं विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के मध्य बढ़ती हुई पारस्परिकता ही वैश्वीकरण है। यह पारस्परिकता सामाजिक आर्थिक सम्बन्धों में निहित है। इसमें समय एवं स्थान का कोई महत्व नहीं होता। शोध को उपयोगी बनाने और विश्व को समझने हेतु वैश्वीकरण को बहुलवादी होना ही पड़ेगा। वैश्वीकरण का सम्बन्ध ऐतिहासिक सामाजिक प्रक्रियाओं तथा व्यवहार से भिन्न है।

72.(2) समाजवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधियाँ राजकीय नियन्त्रण के अधीन संचालित होती है। इस अर्थव्यवस्था में सम्पूर्ण राष्ट्र के आर्थिक हितों को ध्यान में रखा जाता है। उत्पादन के महत्वपूर्ण एवं आधाभूत उद्योगों पर सरकार का नियन्त्रण होता है तथा इस महत्व के कुछ उद्योगों को निजी क्षेत्रों को सौंप दिया जाता है।

73.(1) भारतीय समाजशास्त्र में योगेन्द्र सिंह की पुस्तक "Modernization of India Tradition" इस क्षेत्र का सर्वाधिक महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है। इसके अनुसार –परम्परा किसी समाज की वह संचित धरोहर है जिसका सामाजिक संगठन के समस्त स्तरों पर प्रभाव पड़ता है।

74.(1) माल्थस ने सर्वप्रथम जनसंख्या वृद्धि एवं परिवर्तन तथा सामाजिक आर्थिक परिवर्तन के मध्य पारस्परिक सम्बन्धों का निर्धारण किया। उनका उद्देश्य मानवतावादी था और वह मानव कल्याण के विषय में सदा सोचते थे।

75.(1) जनांकिकी में, स्थिरता उस स्थिति की द्योतक है, जिसमें स्त्री–पुरुष की जनसंख्या की उम्र का वितरण में कोई परिवर्तन नही हो, तथा वृद्धि दर चाहे धनात्मक–ऋणात्मक तथा शून्य हो, स्थिर रहती है क्योंकि एक समय में प्रजननता की उम्र विशिष्ठ दर तथा मृत्युता की उम्र विशिष्ठ दर स्थिर रहे। अतः कथन (1) और (R) दोनों सही है तथा (R), (1) की सी व्याख्या है।

76.(3) सूची–I को सूची–II से सुमेलित करने से स्पष्ट होता है, किः–

- भूमिका– एक प्रतिस्थति विशेष के साथ जुड़ा हुआ अपेक्षित व्यवहार।
- भूमिका विन्यास– एक प्रतिस्थति विशेष के साथ जुड़ा हुआ भूमिका द्वन्द्व।
- भूमिका द्वन्द्व– दो या दो से अधिक उन भूमिकाओं से अभियाचन जिसमें द्वन्द्व नहीं होता और
- भूमिका तनाव– एक ही भूमिका से द्वन्द्वपूर्ण अभियाचन। अतः कूट C सही है।

VPM CLASSES

77.(3) अप्रकार्य वह गतिविधि है, जिसके होने न होने से व्यवस्था में कोई अन्तर नहीं पड़ता। इस गतिविधि का व्यवस्था के बनाव – बिगाड़ से कोई सरोकर नहीं होता है, यदि किसी छात्रावास में विद्यार्थी रात भर जागता है। और इस दौरान कई बार चाय व पानी पीता है तो उनकी यह गतिविधि अप्रकार्य है। विद्यार्थी के ऐसा करने से छात्रावास की व्यवस्था में कोई रूकावट नहीं आती।

78.(3) तीसरे खण्ड में वे समाज के उस भाग का विवेचन करते हैं, जिसमें श्रम विभाजन के कारण असामान्य स्वरूप मिलते हैं वे समान्य स्वरूप आर्थिक जीवन में उस समय दिखाई देते हैं, जब श्रमिक बंट जाते हैं। उनमें विघटन आ जाता है और औद्योगिक संकट पैदा हो जाते हैं। श्रमिक एक दूसरे के विरोधी हो जाते हैं, कुछ श्रमिकों की तरह ही जब वैज्ञानिक श्रम में विशेषीकरण आ जाता है तब वैज्ञानिकों में भी विघटन पैदा हो जाता है।

79.(3) सूची–I (लेखकों के नाम) को सूची–II (पुस्तकों के शीर्षक) से सुमेलित करने से स्पष्ट होता है किः– सी.एन. चेपेकर– की पुस्तक का शीर्षक दि पारसीज, एम.सी. दुबे की पुस्तक का शीर्षक– दि कामार, डी.एन. मजूमदार की पुस्तक का शीर्षक दी संथाल : ए स्टडी इन कलचरल चेंज और टी.बी. नायक की पुस्तक का शीर्षक दी भील्स : ए स्टडी है। अतः कूट C सही है।

80.(1) सामाजिक क्रिया का अध्ययन करते हुए वेबर इस बात पर जोर देते हैं कि सामाजिक क्रिया का यह विज्ञान अपनी परिधि में बहुत व्यापक है वेबर ने यहां व्यापक पद की व्याख्या की है, इसका मतलब वे कर्ता क्रिया का जो अर्थ देता है, उसकी समझ से जोड़ता है।

81.(2) प्रतीकात्मक अन्तः क्रिया पद की उत्पत्ति हर्बर्ट ब्लूमर से जुड़ी है। 1969 में प्रकाशित अपनी पहली पुस्तक सिम्बोलिक इन्टरेक्शनिज्म पर्सपेक्टिव एण्ड मेथड़ में उन्होंने संयोगवश इस पद को काम में लिया है। इसके प्रयोग के बारे में वे स्वयं भी कुछ अधिक प्रसन्न नहीं हुये थे। उन्होंने टिप्पणी कीः–

यह पद मुझे थोडा बहुत फूहड और गवारू लगा। इसका प्रयोग मैने सबसे पहले मेन एण्ड सोसायटी के लिए लिखे गये एक लेख में किया था। यह संयोग की बात ही है कि लोगों

को यह पसंद आ गया और यह पद चल निकला।

82.(1) अर्नाल्ड टायन्वी ने ए स्टडी ऑफ हिस्ट्री में सभ्यताओं के विकास पर टिप्पणी करते हुए कहा है। कि सिंधु नदी की घाटी सभ्यता का विकास इसलिए हुआ कि घाटी के लोगों ने प्रकृति को जो चुनौती दी, उसका सम्यक रूप से सामना किया और फलतः सभ्यता विकसित हुई।

83.(4) दर्शनशास्त्र के सोवियत शब्द कोष में ओर्गुसोव ने अलगाव की व्याख्या करते हुए कहा कि यह वह कोटि है, जिसमें आदमी की गतिविधियो का वस्तुगत परिवर्तन होता है, जिसके परिणाम स्वरूप आदमी के सभी क्रियाकलाप केवल गौण हो जाते हैं, और उत्पादन की प्रक्रिया उस पर हावी हो जाती है।

84.(2) चिन्तनशाली नृजाति पद्धति शास्त्र का दूसरा महत्वपूर्ण सम्बोध है। व्यक्ति घटनाओं को एक स्तर पर अवलोकन के माध्यम से देखता है। अनेक तरह की घटनायें व्यक्ति के सम्मुख घटित होती रहती है, व्यक्ति उन घटनाओं के आयामों का विचार की प्रक्रिया के माध्यम से व्यवस्थित करता है, और चिन्तन की प्रक्रिया के माध्यम से अनेक घटनाक्रम के पक्षों को समन्वित कर अर्थ प्रदान करता है।

85.(1) समाजशास्त्र की पद्धति आनुभाविकता पर आक्षित है, इसके अन्तर्गत इन्द्रियपरक अनुभव के आधार पर घटनाओं को समझने पर बल दिया जाता है। अवलोकन, साक्षात्कार अथवा अन्य किसी माध्यम से जिसमें इन्द्रियजनक अनुभव निहित हो, आँकड़ों को एकत्रित करने में सहायक होते हैं।

86.(3) समाजशास्त्र की अध्ययन पद्धति के अंतर्गत वस्तुपरकता को महत्व दिया गया जो कि वैज्ञानिक रूपावली पर आधारित रही है, इसके अन्तर्गत व्यक्ति और विषय के मध्य द्विभाजन किया जाता है, जिसमें वस्तु व अध्ययन कर्ता को अलग–अलग रखा जाता है। इस पद्धति का उद्देश्य यह है कि अध्ययन कर्ता के स्वयं के विचार भावनाएं अथवा अभिवृत्ति अध्ययन की प्रक्रिया को प्रभावित न करे। इसमें अध्ययन की प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूचियों या प्रभाव को सम्मिलित होने से बचा जाता है।

VPM CLASSES

87.(2) किसी विशेष समूह के जीवन में सुधार हेतु बनाये गए कार्यक्रम अथवा नीतियों की सफलता एवं प्रभावशीलता को आंकने के उद्देश्य से की गई अनुसंधान मूल्यांकनात्मक शोध कहलाती है। यह क्रियामुखी शोध का ही एक विशेष रूप है। जो किसी कार्यक्रम के अपेक्षित अथवा अनपेक्षित परिणामों को मालूम करने के लिए की जाती है।

88.(1) शोध के विशिष्ट अर्थ में दो या दो से अधिक परिवर्त्यो के अंतर्संबंधों को व्यक्त करने वाला एक ऐसा अस्थाई कथन या सामान्यीकरण प्राक्कल्पना कहलाता है जिसे साक्ष्यों के आधार पर सिद्ध अथवा असिद्ध किया जाना बाकी है, एक प्राक्कल्पना परिवर्त्यों के बीच पाये जाने वाले संबंध के प्रति एक भविष्योक्ति है।

89.(4) एक ऐसी निदर्शन पद्धति जिसमें निदर्शन का चुनाव जनसंख्या की महत्वपूर्ण विशेषताओं (जैसे– लिंग, आयु, आर्थिक प्रस्थिति) के आधार पर किया जाता है। नियंत्रित निदर्शन कहलाता है। इस प्रकार के निदर्शन में अभिनति में कमी लाए जाने की काफी संभावना रहती है। इस निदर्शन में प्रतिनिधित्व जो कि एक अच्छे निदर्शन की सबसे बड़ी विशेषता होती है, को बनाए रखा जा सकता है। इसका प्रयोग किफायती होता है। क्योंकि इसमें छोटे निदर्शन से भी काम चल जाता है।

90.(1) ऐसी प्रश्नतालिका जिसमें प्रश्नों के कुछ निश्चित वैकल्पिक उत्तर दिए होते हैं, जो प्रतिबंधित प्रश्नावली कहते हैं, उत्तरदाता को अनेक वैकल्पिक उत्तरों में से ही किसी एक अथवा अधिक उत्तरां को चुनना होता है। इस प्रकार के प्रश्न हों अथवा नहीं के अत्यन्त सरल रूप से लेकर बहुवैकल्पिक प्रकार के हो सकते हैं।

91.(2) सूची–I (लेखक) को सूची–II (अवधारणा) से सुमेलित करने से स्पष्ट होता है किः– मेकाइवर और पेज वैरिएबल्स से, टालकॉट पारसन्स सीमावर्ती समुदाय से, आर.के. मर्टन मध्य अभिसीमा सिद्धांत से और आर.के. मुखर्जी महाविज्ञान अवधारणा से सम्बंधित है। अतः कूट B सही है।

92.(3) अंतर्वस्तु विश्लेषण के द्वारा संप्रेषण की विषय वस्तु को वर्गीकरण के नियमों के वस्तुपरक तथा व्यवस्थित प्रयोग द्वारा उसे परिमाणात्मक तथ्यों में परिणत किया जाता है, ऐसा करके उसके आधार पर तुलना की जा सके। यह विधि संप्रेषण में निहित अर्थों के विश्लेषण द्वारा मानव के

सामाजिक व्यवहार को समझने में सहायता करती है। इस विधि का प्रयोग संप्रेषण सामग्री में निहित संदेश के इच्छित–अनिच्छित प्रभाव को जानना होता है।

93.(4) ये वे लोग हैं, जिनसे हमारा कोई संबंध नहीं होता पर प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से वे हमें, हमारे जीवन को किसी न किसी रूप से प्रभावित करते हैं, अनेक ख्यातिलब्ध और प्रभावशाली लोगों के कार्यकलाप हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं।

94.(2) जहां प्राचल सांख्यिकी की आधारभूत मान्यताओं का पालन नहीं हो पाता, वहां ऐसी में अप्राचल सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया जाता है, इस प्रकार की सांख्यिकी में किसी प्रकार की मान्यताओं का प्रतिबंध दृढ़ नहीं होता है, अतः इसे वितरण सांख्यिकी भी कहा जाता है, अप्राचल सांख्यिकीय में मध्यांक स्पीयरमैन का सह–सम्बंध गुणांक, करि–वर्ग परिक्षण, मध्यांक परीक्षण, चिन्ह परीक्षण चिन्ह क्रम परीक्षण उल्लेखनीय है।

95.(1) मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक सांख्यिकी में जिस अंक के द्वारा किन्ही दो चरों, व्यक्तियों, शीलगुणों आदि के आपसी संबंधों को व्यक्त किया जाता है, उसे सह संबंध गुणांक कहते हैं यह एक संकेताक है जो कि दो चरों के बीच में होने वाले सह संबंध के गुण तथा मात्रा को इंगित करता है, जब पियरसन की विधि द्वारा सह संबंध ज्ञात किया जाता है तब सह संबंध गुणांक σ के संकेत से एवं जब स्पीयरमैन की विधि का प्रयोग होता है, तब यह ग्रीक अक्षर ρ (rho रो) के रूप में प्रयोग किया जाता है।

96.(4) सूची–I (सिद्धान्त) को सूची–II (विचारक) से सुमेलित करने से स्पष्ट होता है किः– भौगोलिक निर्धारणवाद हंटिंग्टन के द्वारा वैचारिक निर्धारणवाद वेबर, सांस्कृतिक निर्धारणवाद सोरोकिन और प्रौद्योगिक निर्धारणवाद वेबलोन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत है। अतः कूट D सही है।

VPM CLASSES

97.(3)

प्राप्तांक X	विचलन (X-M)	विचलन 'd'
10	10 - 18	= -8
15	15 - 18	= -3
10	10 - 18	= -8
20	20 - 18	= +2
25	25 - 18	= +7
15	15 - 18	= -3
25	25 - 18	= +7
20	20 - 18	= +2
17	17 - 18	= -1
23	23 - 18	= +5
$\sum X = 180$		$\sum 'd' = 46$
$M = 18$		(= +23 - 23)

सूत्र : $M.D. = \frac{\sum 'd'}{N}$

यहां $\sum 'd' = 46$ (+ एवं – चिन्हों को ध्यान में रखे बिना उसकी विचलन मापों को जोड़ देते हैं) $M = 18$ एवं $N = 10$ है।

अतः $M.D. = \frac{46}{10} = 4.60$

M.D. = 4.60

98.(2) अवलोकन की विश्वसनीयता के लिए अवलोकन अनुसूची का प्रयोग भी किया जाना चाहिए अवलोकनकर्ता घटनाओं को देखता जाता है। और अनुसूची में लिखे प्रश्नों का उत्तर भरता जाता है, जहां एकाधिक व्यक्ति अवलोकन में लगे हुए हों, वहां अध्ययन को वैवयिक एवं प्रमापित बनाने के लिए अनुसूची का लाभदायक सिद्ध होता है।

VPM CLASSES

99.(1) कथन A और कारण R दोनों सही है। राज्य अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक तथा आर्थिक हितों का विशेष ध्यान देते हुए संवर्धन करता है। क्योंकि कमजोर तथा अल्प सुविधा प्राप्त वर्गों को शोषण से रक्षा तथा सामाजिक न्याय का संवर्धन कल्याणकारी राज्य के प्राथमिक प्रकार्यों में है। अतः कूट A सही है।

100.(1) उन तथ्यों को परिणात्मक कहा जाता है, जिन्हें किसी माप की इकाइयों के आधार पर संख्याओं में प्रस्तुत किया जा सकता है। जैसे– समय तथा आयु को वर्षों, दिनों, महिनों, घंटों तथा अन्य कालिक इकाइयों में प्रदर्शित किया जाता है। इन तथ्यों की नाप–जोख की जा सकती है। इनकी माप तोल की इकाइयां निश्चित की जा सकती है। इन्हें संख्याओं आँकड़ों अथवा अंकों में प्रदर्शित किया जाता है।

VPM CLASSES